an>

Title: Regarding political crisis in Nepal and its impact on India.

श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : माननीय अध्यक्ष जी, पिछले कुछ वÂाों से लगातार नेपाल की जो घटना घट रही है, वह इस देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। अभी हाल ही में अखबार के माध्यम से जो पता चल रहा है कि ...*

अध्यक्ष जी, नेपाल के साथ हमारा बेटी और रोटी का संबंध है। धार्मिक तौर पर, एतिहासिक तौर पर सांस्कृतिक तौर पर नेपाल को हमको सहयोग करना चाहिए और 1950 की जो नेपाल की ट्रीटी है, उसके आधार पर नेपाल के नागरिक और भारत के नागरिक में हम लोग कोई फर्क यहां महसूस नहीं करते हैं। लेकिन जो इतिहास है, उसमें यह है कि 1480-85 कि.मी. का जो नेपाल के बॉर्डर का एरिया है, वह हमारे साथ है और तिब्बत जिसे बाद में चीन ने ले लिया, वह 1410 कि.मी. के आसपास का एरिया है। तिब्बत और नेपाल की हमेशा लड़ाई रही। नेपाल ने तिब्बत पर आक्रमण भी किया और वह कसक चीन के पास हमेशा मौजूद थी। लेकिन इसके बाद 1950 की ट्रीटी के बाद जितनी भी ट्रीटी हुई, उसने यह काम किया कि पशुपति से लेकर तिरुपति तक ... * आज जितनी फेक करेंसी आ रही है, उस फेक करेंसी में भी नेपाल का रास्ता क्योंकि बॉर्डर हमारा इतना खुला हुआ है कि उस बॉर्डर से 1485 कि.मी. का पूरा ओपन बॉर्डर है और उस ओपन बॉर्डर के कारण कहां नेपाल की सीमा खत्म होती है और कहां भारत की सीमा खत्म होती है, ऐसा कोई भी प्रावधान नहीं है। यहां तक कि हमारा जो देश है, वह ...* रहा है। जे.एन.यू. जिसके लिए यहां पर बड़ा हंगामा चलता है, उसके जो ...* वह जे.एन.यू. के विद्यार्थी रहे हैं। ...*जो उन्होंने अपनी जीवनी में लिखा है और आज इस तरह की बात करके ...* मेरा आपके माध्यम से यह आग्रह है कि ...* प्रभुता नहीं करना चाहता है। ...(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष जी, ...* ऐसा सदन में कहना अच्छी बात नहीं है।...(व्यवधान) यह अच्छी बात नहीं है कि किसी और देश के बारे में यह कहें कि वह ...* उनका भी स्वाभिमान है और इस तरीके से दूसरे देश के बारे में ऐसा कहना अच्छी बात नहीं है।...(व्यवधान)

श्री निशिकान्त दुबे : अध्यक्ष महोदया, यह जिसकी बात कर रहे हैं, पूर्व प्रधान मंत्री ...* ने ...* का नमक और तेल बंद कर दिया था और नेपाल के लोग तीन महीने तक भूखे रहे थे। ...(व्यवधान) इन्होंने नमक तक बंद कर दिया था। ये किसकी बात कर रहे हैं? ...* की नीतियों के कारण आज ...*की यह स्थिति हो गई है। उन्होंने 1986 में ये सब चीजें बंद कर दी थीं।...(व्यवधान) मेरा आपके माध्यम से यह आग्रह है कि जिस तरह से पाकिस्तान के साथ, बंग्लादेश के साथ हमने अपने बॉर्डर को ठीक किया है, उसी तरह से ...* के साथ भी फेंसिंग करनी चाहिए और उसको पाकिस्तान और बंग्लादेश की तरह ही एक देश करके ट्रीट करना चाहिए।...(व्यवधान) जो ...* की मंशा थी, उस मंशा को पूरा कर देना चाहिए क्योंकि इन्हीं ...*, ...* की नीतियों के कारण आज नेपाल हमारे साथ नहीं जाकर चीन के साथ जाना चाह रहा है। इसीलिए उसके साथ भी उसी तरह का ट्रीटमेंट करना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री सी.पी.जोशी,

श्री गजेन्द्र शेखावत,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

श्री शिव कुमार उदासी,

श्री ए.टी. नाना पाटिल,

श्री रामचरन बोहरा,

कुंवर पुÂषेन्द्र सिंह चंदेल,

श्री सुधीर गुप्ता और

श्री रोड़मल नागर को श्री निशिकांत दुबे द्वारा उठाए गए विषÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।